

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

December, 2013

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) Answer all five questions.

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. What is meant by the socio-political origins of religions ? Why are the religious beliefs totally incompatible with the philosophy of Marx ? 20

OR

"Inter-religious dialogue should go beyond culturalism and confessionalization". Do you agree to this statement ? 20

2. Critically evaluate Kant's and Hegel's idea of God. 20

OR

Describe William James' views on religious experience. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words.
- (a) Give an account of the anthropological origin of religion. 10
 - (b) Explain the term "Holy", used by Rudolf Otto. 10
 - (c) Evaluate the worth of moral argument for the existence of God. 10
 - (d) What is meant by non-assertive interpretation of religion? 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each.
- (a) What is meant by meta narrative? 5
 - (b) What are the basic themes of worship? 5
 - (c) What is Rudolf Otto's analysis of religious experience? Explain in brief. 5
 - (d) What do you mean/by "Imperative of Dialogue"? 5
 - (e) How does Thomas Aquinas define the analogical way of religious language? 5
 - (f) Give a brief account of J.G.Frazer's contribution to study of primitive religion 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each.
- (a) Sociological positivism 4
 - (b) Agnosticism 4
 - (c) God as a Necessary Being 4
 - (d) Religious experience according to Swinburne. 4
 - (e) Religious pluralism 4
 - (f) Post - modern spirituality 4
 - (g) Complementarity of religious 4
 - (h) "Mysterium" 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. धर्म के सामाजिक-राजनैतिक उद्भव से क्या तात्पर्य है? धार्मिक विश्वास मार्क्सवादी दर्शन से पूर्णतः असंगत क्यों है? 20

अथवा

- “अन्तर धार्मिक सम्वाद को संस्कृतिवाद और धार्मिक स्वीकृतिकरण (confessionalization) से ऊपर उठना चाहिए,” क्या आप इस कथन से सहमत हैं? 20

2. कांट और हेगेल के ईश्वर-विचार का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

- विलियम जेम्स के धार्मिक अनुभव सम्बंधि विचारों का वर्णन कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।
- (a) धर्म के मानवशास्त्रीय उदभव का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 10
- (b) रुडोल्फ आँटो द्वारा प्रयुक्त शब्द “पवित्र” की व्याख्या कीजिए। 10
- (c) ईश्वर अस्तित्व की सिद्धी में प्रयुक्त नैतिक तर्क के महत्व का मूल्यांकन कीजिए। 10
- (d) धर्म की अ-आग्रहकारी (non-assertive) व्याख्या से आप क्या समझते हैं? 10
4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) अधि आख्यान (meta narrative) से आप क्या समझते हैं? 5
- (b) पूजा के मुख्य विषय (themes) क्या है? 5
- (c) रुडोल्फ आँटो के धार्मिक अनुभव के विश्लेषण की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5
- (d) ‘संवाद के निहितार्थ’ से आप क्या समझते हैं? 5
- (e) थॉमस एक्वीनास धार्मिक भाषा के सदृश्यतावादी ढंग को कैसे परिभाषित करते हैं? 5
- (f) प्राचीन धर्म के अध्ययन में जे.जी.फ्रेजर के योगदान का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5
5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :
- (a) सामाजिक भाववाद 4
- (b) अज्ञेयवाद 4
- (c) अनिवार्य तत्व के रूप में ईश्वर 4
- (d) स्वाइनबर्न के अनुसार धार्मिक अनुभव 4
- (e) धार्मिक बहुलवाद 4
- (f) उत्तर आधुनिक आध्यात्मिकता 4
- (g) धार्मिक सम्पूरकता 4
- (h) मिस्ट्रियम 4